SOME HON. MEMBERS: Sir, we too associate ourselves with the matter raised by the hon. Member.

Need to transfer land for international memorial of Babasaheb Dr. Bhimrao Ambedkar

श्रीमती रजनी पाटिल (महाराष्ट्र): सर, मैं आपके माध्यम से कहना चाहती हूं कि जब यूपीए गवर्नमेंट थी तब हमारी नेता सोनिया जी, तब के पंथ प्रधान डा. मनमोहन सिंह जी और वस्त्र मंत्री श्री आनन्द शर्मा जी, इन्होंने इंदू मिल की जगह को डा. बाबा साहेब अम्बेडकर का स्मारक बनाने के लिए देने का काम किया था। 11 नवम्बर, 2015 को प्राइम मिनिस्टर नरेन्द्र मोदी जी ने उसका भूमि पूजन भी कर दिया, हालांकि कांग्रेस को बुलाया नहीं गया था। एक स्टेट ऑफ आर्ट मेमोरियल डा. अम्बेडकर जी का होना चाहिए, यह इस देश में सबकी इच्छा है। बाबा साहेब अम्बेडकर के प्रति रूलिंग पार्टी का कितना प्रेम है, यह इससे दिखता है, क्योंकि राज्य सरकार ने जब प्रचलित विकास नियंत्रण नियमावली के अनुसार 1.33 एफएसआई का टीडीआर देने के लिए मान्यता दी है, तब एनटीसी में उसकी कीमत 1413 करोड़ रुपये होती है, जिसे राज्य सरकार देने के लिए तैयार है। 19 अप्रैल को वस्त्र उद्योग मंत्रालय से, एनटीसी से महाराष्ट्र सरकार को एक लेटर गया है, जिसमें नगर विकास के प्रधान सचिव ने बोल दिया है कि उस जमीन के लिए 2.50 एफएसआई का टीडीआर दे दीजिएगा, इसका मतलब है कि 2800 करोड़ रुपये की उन्होंने मांग की है। क्या बाबा साहेब अम्बेडकर का मेमोरियल बनाने के लिए उसकी कोई कीमत हो सकती है? डा. बाबा साहेब अम्बेडकर एक आस्था, विश्वास और भावना का प्रतीक है। देश में नहीं, पूरे विश्व में डा. बाबा साहेब अम्बेडकर को चाहने वाले बहुत सारे लोग हैं। क्या जमीन के लिए लगातार खींचातानी होती रहेगी? केन्द्र सरकार और राज्य सरकार के बीच में जो खींचातानी है, उसका कोई उपाय नहीं निकल रहा है, इसकी तरफ भी आपको ध्यान देना जरूरी है।

उपसभापति महोदय, मैं बताना चाहूंगी कि डा. बाबा साहेब अम्बेडकर के ऊपर हम महाराष्ट्र के लोग बहुत ही proud feel करते हैं कि महाराष्ट्र के पुत्र डा. बाबा साहेब अम्बेडकर ने इतना बड़ा काम देश में ही नहीं पूरे विश्व में किया है, इसलिए उनका स्मारक अच्छा होना चाहिंए। अतर्राष्ट्रीय स्मारक होना चाहिए, जो स्टेट ऑफ आर्ट होना चाहिए और उसके लिए जमीन का झगड़ा नहीं होना चाहिए, उसके लिए जमीन देने में खींचातानी नहीं होनी चाहिए। जब 11 नवम्बर, 2015 को प्रधान मंत्री जी ने उसका भूमि पूजन कर दिया है, तो छह महीने के बाद भी, अभी तक उसके लिए जमीन हस्तांतरित नहीं हुई है, यह बात निराशाजनक है। मुझे लगता है कि आज सत्ता में जो केन्द्र सरकार है, उसे यह जमीन जल्द से जल्द हस्तांतरित करनी चाहिए और डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर का एक अच्छा स्मारक वहां जल्दी से जल्दी बनना चाहिए।

श्री पी.एल. पुनिया (उत्तर प्रदेश): महोदय, माननीय सदस्या ने जो विषय उठाया है, मैं अपने को उससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री शरद पवार (महाराष्ट्र): महोदय, माननीय सदस्या ने जो विषय उठाया है, मैं भी अपने को उससे सम्बद्ध करता हूं।

डा. विजयलक्ष्मी साधौ (मध्य प्रदेश): महोदय, माननीय सदस्या ने जो विषय उठाया है, मैं भी अपने को उससे सम्बद्ध करती हूं।

श्रीमती कहकशां परवीन (बिहार): महोदय, माननीय सदस्या ने जो विषय उठाया है, मैं भी अपने को उससे सम्बद्ध करती हूं।

श्री हुसैन दलवई (महाराष्ट्र): महोदय, माननीय सदस्या ने जो विषय उठाया है, मैं भी अपने को उससे सम्बद्ध करता हूं।

डा. अनिल कुमार साहनी (बिहार): महोदय, माननीय सदस्या ने जो विषय उठाया है, मैं भी अपने को उससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार): महोदय, माननीय सदस्या ने जो विषय उठाया है, मैं भी अपने को उससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री वी. हनुमंत राव (तेलंगाना): महोदय, माननीय सदस्या ने जो विषय उठाया है, मैं भी अपने को उससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री प्रेम चन्द गुप्ता (झारखंड): महोदय, माननीय सदस्या ने जो विषय उठाया है, मैं भी अपने को उससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री के.सी. त्यागी (बिहार): महोदय, माननीय सदस्या ने जो विषय उठाया है, मैं भी अपने को उससे सम्बद्ध करता हूं।

SHRI MOTILAL VORA (Chhattisgarh): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRIMATI WANSUK SYIEM (Meghalaya): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI D. RAJA (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI SITARAM YECHURY (West Bengal): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI K.T.S TULSI (Nominated): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

DR. NARENDRA JADHAV (Nominated): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI MAJEED MEMON (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU (Telangana): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI C.P. NARAYANAN (Kerala): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI D. KUPENDRA REDDY (Karnataka): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

Need to transmit rate cut by RBI to consumers

SHRI PALVAI GOVARDHAN REDDY (Telangana): Sir, recently, RBI cut repo rate by 25 basis point. If one looks back, in the last 20 months, RBI reduced repo rate by 150 basis points. The objective of RBI is to transmit the rate cut to lower the lending rates for firms and individuals. But, if you look at how much banks have reduced, you will be surprised, banks have reduced, out of 150 basis points, only 60-70 basis points. People thought that banks would pass on interest rates on home, car and personal loans as the RBI itself has reduced the base rate. Culprits are not only private and foreign banks but also nationalized banks because they are also not passing on the benefit to customers. If that is the case, what is the point in reducing the repo rate? If there is increase in the repo rate, these very scheduled commercial banks immediately increase the rate of interest, but do not reduce it when RBI reduces interest rates. This clearly shows the injustice done to customers who have taken various kinds of loans.

Secondly, it has also been substantiated by the IMF that banks in India would increase the rates the moment RBI increases the rate, but refrain to do so when RBI reduces interest rates. It also criticized that our banks take 13 months to bring changes in the inter-bank rates and 19 months to make them applicable for loans. It is too long a period.

Hence, I request RBI and Finance Minister to look into this and ensure that minimum time is taken for passing on the benefit to customers and also ensure that entire rate cut is passed on to the customers.

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU (Telangana): Sir, I associate myself with the issue raised by the hon. Member.

DR. K. KESHAVA RAO (Andhra Pradesh): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.